No. of Printed Pages : **4**

**ES-364**

00917

# BACHELOR OF EDUCATION

## Term-End Examination

## December, 2012

## ES-364 : DISTANCE EDUCATION

*Time : 3 hours* *Maximum Weightage : 70%*

***Note :*** *(i) All the four questions are* ***compulsory.***

*(ii) All questions carry* ***equal weightage.***

1. Answer the following question in about **600** words :

   How do assignments facilitate teaching-learning in distance education ? Describe the different types of teaching and non-teaching comments with suitable examples.

   **OR**

   What do you understand by self-learning materials ? Discuss the process of designing self-learning materials. Support your answer with suitable examples.

2. Answer the following question in about **600** words.

   Why are contact/counselling services important in distance education ? How will you cater to the needs of learners living in remote areas ?

   **OR**

Discuss the principles of life long learning. How will you implement life long education through distance mode ?

3. Attempt **any four** of the following questions in about **150** words each :

   (a) What are the qualities of a Successful Academic Counsellor ?

   (b) Differentiate between single mode and dual mode institutions of distance education.

   (c) Justify the need for open and distance education in Indian context.

   (d) Define multimedia approach in distance education. Explain the role of media in distance education.

   (e) Discuss the elements of format editing.

   (f) Differentiate between 'formative' and 'summative' evaluation.

4. Answer the following question in about **600** words.

   Discuss the process of designing "SIM". Choose a topic and develop a mini unit.

ई.एस.-364

# शिक्षा में स्नातक उपाधि कार्यक्रम

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2012

## ई.एस.-364 : दूर शिक्षा

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम भारिता: 70%*

***नोट :*** *(i)* ***सभी चारों*** *प्रश्न करना* ***अनिवार्य*** *हैं।*

*(ii)* ***सभी*** *प्रश्नों की भारिता* ***समान*** *हैं।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :

   सत्रीय कार्य दूर शिक्षा में शिक्षण अधिगम में किस प्रकार सहायक हैं? विभिन्न प्रकार की अध्यापन एवं गैर अध्यापन समीक्षा की उचित उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

   **अथवा**

   स्व-अध्ययन सामग्री से आप क्या समझते हैं? स्व-अध्ययन सामग्री बनाने की प्रक्रिया का उल्लेख कीजिए। अपने उत्तर का उचित उदाहरणों से समर्थन कीजिए।

2. निम्न प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :

   दूर शिक्षा में सम्पर्क /परामर्श कार्यक्रम क्यों महत्वपूर्ण हैं? दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं की पूर्ति आप किस प्रकार करेंगें?

   **अथवा**

जीवन पर्यन्त अधिगम के सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए। जीवन पर्यन्त शिक्षा का क्रियान्वयन दूरस्थ माध्यम से आप कैसे करेंगे ?

3. निम्न में से **किन्हीं चार** प्रश्नों को लगभग **150** शब्द प्रति के अनुसार कीजिए :

(a) एक सफल अकादमिक परामर्शदाता के क्या गुण हैं ?

(b) दूर शिक्षा की एकल माध्यम तथा द्वि माध्यम संस्थाओं में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(c) भारतीय संदर्भ में दूर एवं मुक्त शिक्षा की आवश्यकता को न्याय संगत सिद्ध कीजिए।

(d) दूर शिक्षा में बहुमाध्यम विधा को परिभाषित कीजिए। दूर शिक्षा में जन माध्यमों के महत्व की व्याख्या कीजिए।

(e) प्रारूप सम्पादन के विभिन्न अंगों की व्याख्या कीजिए।

(f) रचनात्मक तथा अन्तिम मूल्यांकन के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :

स्व-अनुदेशन सामग्री बनाने की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए। एक विषय का चुनाव कीजिए तथा एक सूक्ष्म ईकाई का विकास कीजिए।